

DPN S653

Title: गुथिया नियम
गुथि नियम
GUTHIYA NIYAMA
TUPU GUTHI

Run. No. 6344

Cat. No.

Micro. No.

Subject Rules of Guthi trust
गुथि नियम

Religion: Hindu / Bauddha ✓

Language: Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 19 x 7.8

Folios 33

Lines (in a page) 7 irregular

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS 680, 693, 692, 703

Ruler / place

Script: New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus.:

Material: palmleaf / paper / thyaṣaphu /

लिखित / Remark

Condition: fine / damaged by worms, rats, water /

गुथि स्वयं गुथिमा गुथिमा तसे हुको-
रेड्डु वहाई क्या गःगु /

Beginning, colophon, post-colophon:

Cash donations donated by
Guthi members are noted in
this codex.

15

10

5

0

centimeter 5

10

15

20



[illegible]

१. काखा ना ज्ञाय कथी द ई काय माल का विनायाय वा न कनिष्ठी २ वं द का
न कनिष्ठी ध्यां मी सी विनायाय माया ॥ कामिणी मी वा न कन दा हय न
माय ज्ञाना विय सा रु न ई ता ट काया वर मान न शय ॥ ॥ न ई वि रु का या
निज्ञा या तिन शय ॥

[illegible]

ॐ नमः श्री धर्म धातवः ॥ (गु) या ६३ ॥ सप्तमः ६२२ आखारमास शुक्रयुक्तः
 पूर्णमास्यातिथिः धर्मः श्री ३ धर्म धातु वागीश्वर नृदारकासकं इन्द्र
 युययानं ईना दानयति कूलवाहालवंगार्धं वजावाय श्री धर्मरुने
 सहस्रन ईनामकटीकादि १ धर्म यावरमानन इथा वसयमासा ॥
 अनन्यनानुसाधनं ऊडमानस्य आयुः शान्तिः ऊनवन लक्ष्मीवृद्धिरसु ॥
 मनवी कासरुलरुव ३ ॥ धर्म लाय याकालः श्री ३ धर्म धातु वागीश्वर
 सनिगुरु लाय मयासी निमुय कालः अनिगुरु उजात ॥ ॥ धर्मम ॥

ॐ नमः श्री धर्म धातवः ॥ (गु) या ६३ ॥ सप्तमः ६२२ आखारमास शुक्रयुक्तः
 पूर्णमास्यातिथिः धर्मः श्री ३ धर्म धातु वागीश्वर नृदारकासकं इन्द्र
 युययानं ईना दानयति नृदवाहार यताद्धं वजावाय श्री कुरु सिद्धरुने
 विरुत्तन ईनामकटीकादि १ धर्म यावरमानन इथा वसयमासा ॥ ॥
 अनन्यनानुसाधनं ऊडमानस्य मनकामनासरु लरुव ३ ॥ सुखावति
 अनुरुत्तरी यापुयातु रुव ३ ॥ ॥ धर्म लाय मनेन लाय याकालः श्री ३ धर्म
 मधातु वागीश्वर नृनिगुरु ॥ लाय मयासी निमुय कालः अनिगुरु उजात ॥
 ॥ धर्मम ॥ ॥ ॥

[illegible][illegible]

धनसीमानलक्ष्मीवृद्धिरनु॥ सुखावति अनूरुवं रुवंड॥

रसमन्त्र १८३ दिवा गक याइकुङ्कु गति समुदयन या या
राखा वा देठ बा नक द्वां ८ १ या नाक द्वां १ सुविं ८ द्वां २
यान नाक या निभा द्वां गि ८ द्वां १ शरुकेन द्वां ८ धुनिग ग
निन गोपन विया कवनारुं १ वजि ८ १ धरुं १ काने धरुं १
अति धु धुनि धरुं नू काठा वविय यवन विय धुनि स ठव

ल विषव द्वां न विन शाद नव द्वां न क्षत्र सा ८ गुरु था
व द्वां ८ था वालरु था समुद वया निगुरु नाक यव
सरा याय बाक रुवा क्षयन का क्षल शा धन विधि सी
नाहा मग वरु यिव धुनि स्था सन लि दको लगनि रोनक
अय क मान धुनि राखा क्षयि गुन वृध बाज शुभ ॥

१७२ सप्तमं २२ २ मिदिनाग १ मञ्जुल ३ कृष्ण मिदि

मम च यं न जातया यथा विधि स्रुतं कुरु तत्राकि नमि
किं सति यपि स्रुतं कुरु तत्राकि नमि किं या नमक या न निद्रा स
न नं रु ३५५ रुय कि विय सा न रु ता सा का या ला णा दना रुक या
जा णा विय सा दल स्रुतं कुरु तत्राकिं सा का यन दग्ग या विय सा न
या च हा या या ला णा सा का ने न इ व्वा या जा न इ

१३४॥ त्वत् ४२ मिदिनाग १ सङ्कल कसनायथा दा
लि प्रमृश्य ग्यामि समुचय सादृश्याना द्वाया शया नञ
मु सना शया ला उवा अच रुना गु न्या य स ल क या
मा रुन स रु १ उम कां उ विम्य मान न्या द्य ग्व या उव
इ या ला उ विम्य मान रुन रुन ला व्वा अच रुना न
ने दञ गु या विम्य म् म्या न रुन ३४ ॥ १॥

15

10

5

0

centimeter 5

10

15

20

~~Handwritten text in Devanagari script, crossed out with a large X.~~

~~Handwritten text in Devanagari script, crossed out with a large X.~~

~~Handwritten text in Devanagari script, crossed out with a large X.~~

Handwritten text in Devanagari script, likely a continuation from the previous page. The text is written in a cursive style and is somewhat faded.

Handwritten text in Devanagari script, likely a continuation from the previous page. The text is written in a cursive style and is somewhat faded.

Handwritten text in Devanagari script, likely a continuation from the previous page. The text is written in a cursive style and is somewhat faded.

15

10

5

0

centimeter 5

10

15

20

Handwritten text in Devanagari script, heavily crossed out with large X marks. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dark and appears to be from a historical manuscript.

Handwritten text in Devanagari script, located in the lower half of the page. It consists of approximately 5 horizontal lines of text. The script is dark and appears to be from a historical manuscript.

Handwritten text in an ancient script, likely Cuneiform, arranged in approximately 10 horizontal lines across the top half of the document. The script is dense and appears to be a form of Akkadian or Sumerian.

Handwritten text in an ancient script, likely Cuneiform, arranged in approximately 10 horizontal lines across the bottom half of the document. The script is dense and appears to be a form of Akkadian or Sumerian.

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥३६॥ ॥५७८०॥ ॥१२३४५६७८९१०१११२१३१४१५१६१७१८१९२०२१२२२३२४२५२६२७२८२९३०३१३२३३३४३५३६३७३८३९४०४१४२४३४४४५४६४७४८४९५०५१५२५३५४५५५६५७५८५९६०६१६२६३६४६५६६६७६८६९७०७१७२७३७४७५७६७७७८७९८०८१८२८३८४८५८६८७८८८९९०९१९२९३९४९५९६९७९८९९

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

15

10

5

0

centimeter 5

10

15

20



15

10

5

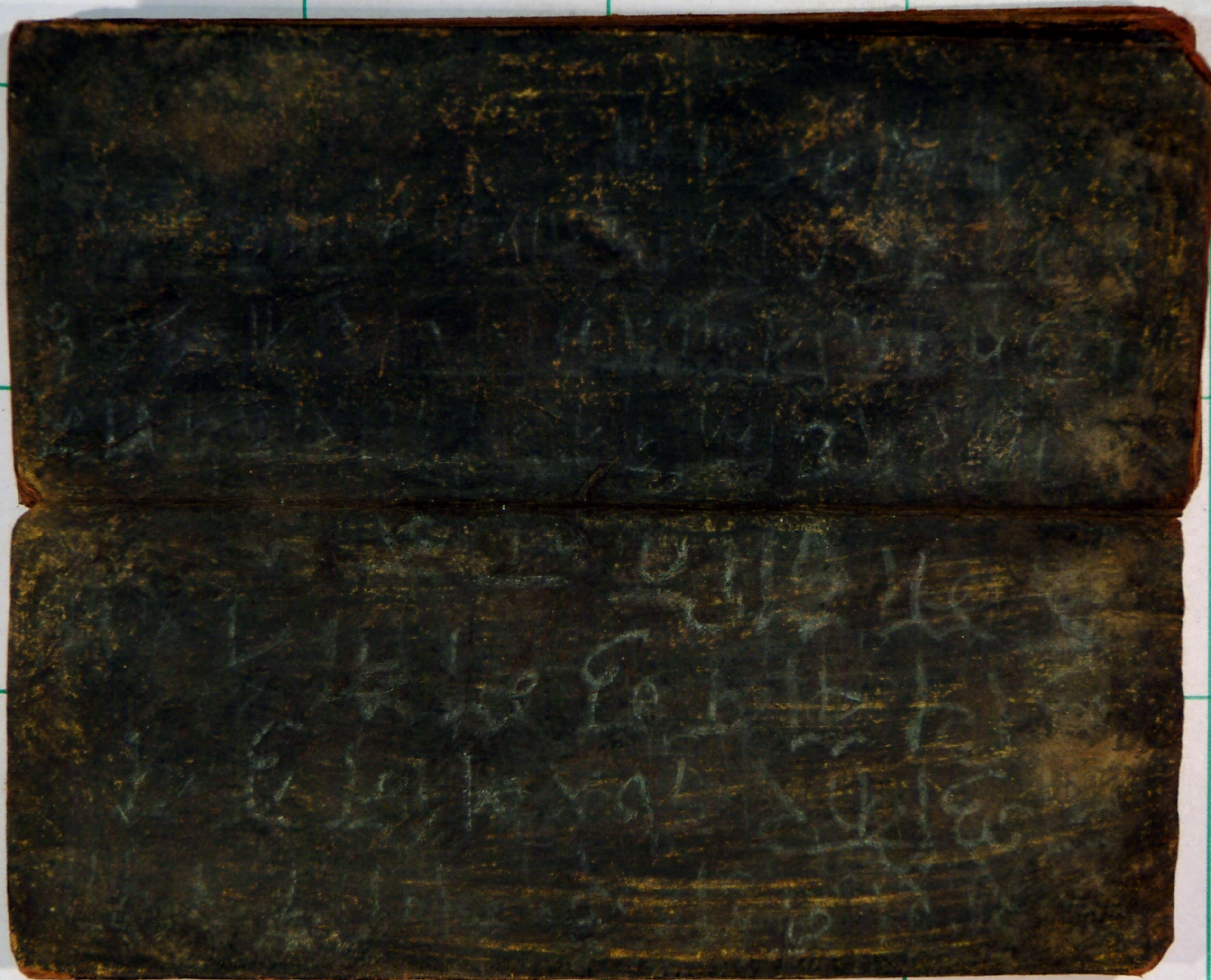
0

centimeter 5

10

15

20





15

10

5

0

centimeter 5

10

15

20



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ३६ ॥ यन्मोहिनी
द्वयवशात्तथा यद्विदुः ॥ ४२ ॥
मासुनरकोरुत्तकोरुत्तमा ३
१० ॥ १ ॥ ३६ ॥ ३६ ॥ १० ॥ ३६ ॥
द्विमेव ११ ॥ १० ॥ ३६ ॥ १० ॥ ३६ ॥
नाद्वेन ११ ॥ १० ॥ ३६ ॥ १० ॥ ३६ ॥
समी नकोरुत्तकोरुत्तमा ३
१० ॥ १० ॥ ३६ ॥ १० ॥ ३६ ॥
सा १० ॥ ३६ ॥ १० ॥ ३६ ॥

ॐ नमो गीर्वाणाय नमः ॥ गीर्वाणाय नमः ॥ समुद्र ६०३ कारु मास शुक्ल यक सु
मासातिथि ॥ इति गीर्वाणाय नमः ॥ श्री गीर्वाणाय नमः ॥ धर्म कर्म गीर्वाणाय
गीर्वाणाय नमः ॥ गीर्वाणाय नमः ॥ गीर्वाणाय नमः ॥ गीर्वाणाय नमः ॥ गीर्वाणाय नमः ॥
महानायक जयसिंह जयसिंह जयसिंह जयसिंह जयसिंह जयसिंह जयसिंह जयसिंह जयसिंह जयसिंह
जयसिंह जयसिंह जयसिंह जयसिंह जयसिंह जयसिंह जयसिंह जयसिंह जयसिंह जयसिंह जयसिंह
जयसिंह जयसिंह जयसिंह जयसिंह जयसिंह जयसिंह जयसिंह जयसिंह जयसिंह जयसिंह जयसिंह



15

10

5

0

centimeter 5

10

15

20



15

10

5

0

centimeter 5

10

15

20



15

10

5

0

centimeter 5

10

15

20



15

10

5

0

centimeter 5

10

15

20



Handwritten text in two lines, likely in an ancient script. The first line contains approximately 12 characters, and the second line contains approximately 12 characters.

1180 35 10 13 10 10

Handwritten text in two lines, likely in an ancient script. The first line contains approximately 12 characters, and the second line contains approximately 12 characters.

॥८॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 कथं वदामि ते भगवन् ॥ अहं ब्रह्मास्मि ॥
 इति श्रुत्वा ततोऽपि ॥ अहं ब्रह्मास्मि ॥
 इति श्रुत्वा ततोऽपि ॥ अहं ब्रह्मास्मि ॥
 इति श्रुत्वा ततोऽपि ॥ अहं ब्रह्मास्मि ॥
 इति श्रुत्वा ततोऽपि ॥ अहं ब्रह्मास्मि ॥

[illegible]

15

10

5

0

centimeter 5

10

15

20

25

~~॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥~~

श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥